HIN2B09b

(Compréhension de l'écrit)

Cours – 4

हमारे विज्ञापन और हमारी संस्कृति

द्वारुन सिंह

आज अगर आप अपने परिवार के साथ टेलीविजन को देखते हैं तो आप के मन में एक भय सा बना रहता है, की पता नहीं कौन सा विज्ञापन आप को शर्मशार कर जाय, टेलीविजन मनोरंजन के साधन था पर आज वह डर का कारण बनता जा रहा है, क्योंकि विज्ञापन, मौत और मेहमान, ग्राहक कभी भी आ सकते है, अब कौन सा विज्ञापन कौन सी सौगात ले कर आ रहा है. क्योंकि अब तो लक्स के विज्ञापन में भी लड़किया नाममात्र के कपड़े पहन के आती है क्योंकि शायद उनका मानना है की हमने अभी तक नहाना सीखा नहीं है, इसी कारण वो हमको नहाना सिखाती है, तो शैम्पू के अदद में भी यही सब दिखाने का प्रयास किया जाता है, कहने का मतलब है आज कल सौदर्य प्रसाधन के सभी साधनों को ऐसे प्रस्तुत किया जाता है की नवीन युवा मन मचल और बहक जाता है, तो प्रौढ़ और बुड्ढा मन परिवार के मध्य झिझक जाता है, जैसे कंडोम के विज्ञापन में पहले आदमी आता था अब समय बदलने के साथ-साथ लड़कियाँ उनके अनुभव व फ्लेवर बताती हुई नज़र आती है, और यह सभी हम भारत देश में देखते है. बह देश जहाँ संस्कारों के लिए लोग अपना जीवन त्याग देते है.

विज्ञापन की व्यवस्था सरकार ने नियोजन के अंतर्गत करवाई थी, जिसके द्वारा योजनाबद्ध तरीके से देश की जनता को अपनी योजनाओं के बारे में विस्तार से व उसके महतुवा की प्रस्तुतीकरण किया जाता था, जिसके अन्तर्गत कुछ ऐसे व्यक्तियों का चुनाव किया जाता है, जो समाज का आदर्श होता है. इस में नेता, पुजारी, मौलवी, डॉक्टर, हीरो आदि कोई भी हो सकता है. जो जनता को सरकार की नीतियों के बारे में बताता है, उनको समझाता है, उनके महत्व व लाभ के बारे लोगों को जागरूक करता है.लोग उनकी बातों को ध्यान से सुनते है और अपनाते है. क्योंकि इन सभी को उनका हीरो बताता है. जिससे देश में विकास की नींव पड़ती है, पर आज इस नीतियों का प्रयोग देश के विकास न होकर चरित्र पतन में किया जा रहा है. आज क्रिकेट का भगबान कहे जाने वाले सचिन जी कुछ पैसों के लिए अपने उस खेल का मखौल ऊडाते दीखते है इंजन आयल के विज्ञापन में वह एक विजेता के लिए बड़ी अजीब सी हरकते करते दिखाई देते है क्रिकेट जो हमारे देश में पूजा जाता है और वह उसके भगबान है ठेस पहुँचती है, क्योंकि वो हमारे देश के गौरव है.

अमिताभ जी जिनका एक विशेष स्थान है, यह भी हमारे देश का गौरव हैं, वह भी अपनी गरिमा का ध्यान न रख कर कई अजीब से विज्ञापन करते है, पर्ल एक गर्भ निरोधक गोली है जिसका प्रयोग जनसंख्या नियंत्रण में किया जाता है पर उसका विज्ञापन ऐसा आता की एक कुवारी लड़की इसको खा कर आसानी से मैथुन सुख प्राप्त कर सकती है. क्या हमारे भारत देश की यही संस्कृत है. यह विज्ञापन क्या बताना चाहता है, क्या सिखाता है. इससे क्या हमें सीख लेनी चाहिए एक प्रश्न है कंडोम का निर्माण संक्रमण को रोकने व जनसंख्या नियंत्रण के लिए किया गया था. उसके विज्ञापन में लड़की उसके फ्लेवर के वारे बताती हुई अपनी पहली रात के अनुभव बताती है. क्या भारतीय संस्कृति इसकी इजाजत देता है. अगरबत्तियों व धूपबत्तियों में भगबान की फोटो लगा कर श्रद्धा व मान्यता का बाजारीकरण किया जाता है. और बाद में वही धूप के डिब्बे कूड़ेदान में दीखता है. और हजारों ऐसे विज्ञापन है जो भारतीय संस्कृति का बेदर्दी से मखौल उड़ाते दीखते है.

भारतीय संस्कृत जिसमे एक शर्म है, हया है, इज्ज़त है, सम्मान है, पर्दा है, रक्षा है, समता की भावना है, सर्वग्राही है, जिसके लिए हजारों लोग अपनी जान को न्यौछावर कर चुके है. उस देश में इतनी पश्चिमी नग्नता ने प्रवेश कर लिया है कि आम आदमी अब आराम से घर में निश्चिंतता के साथ टेलीविजन भी नहीं देख सकता है.क्या इसी भारत की हमने कल्पना की थी ??????????????

Répondre aux questions suivantes

1. विज्ञापन देखते समय क्यों भय रहता है ?
2. नवीन युवा मन मचल और बहक जाता है, क्यों ?
3. विज्ञापन भारतीय संस्कृति के बारे में क्या कहते है ?
4. आम आदमी क्यों आराम से टेलीविज़न नहीं देख सकता ?
5. हीरो की भूमिका rôle क्या होती है ?

Vocabulaire et expressions

विज्ञापन (m) publicité
शर्मशार subir la honte
मनोरंजन (m) divertissement
साधन (m) moyen
मौत (f) mort
मेहमान (f) invité
ग्राहक (m) client, acheteur
सौगात (f) cadeau
नाममात्र en nom seulement
अदद nombre
प्रयास (m) essai, tentative
सौदर्य प्रसाधन (m) produit de beauté
प्रस्तुत करना présenter
नवीन nouveau
मचलना exiger comme un enfant
बहकना errer, perdre la tête
प्रौढ़ mature
झिझक (f) hésitation
संस्कार (m) sacrement, rituelle
नियोजन (m) planning
अंतर्गत selon
योजनाबद्ध de manière programmé
विस्तार (m) से en détail, élargi
अन्तर्गत selon
नीति (m) politique
जागरूक éveillé, averti
अपनाना adopter
नींव (f) fondement

चरित्र (m) caractère
पतन (m) chute
मखौल (m) ऊड़ाना se moquer de
हरकत (f) mouvement, tic
ठेस (f) पहुँचना être atteint
गौरव (m) honneur, gloire
गरिमा (f) dignité, majesté
गर्भ निरोधक (m) contraception
नियंत्रण (m) contrôle
कुँवारी (f) jeune fille
मैथुन (m) relation sexuelle
संक्रमण (m) contagion
फ्लेवर flavour, saveur
इजाज़त (m) permission
अगरबत्ती, धूपबत्ती (f) bâtonnet d'encens
श्रद्धा (f) dévotion
मान्यता (f) croyance
बाजारीकरण (m) commercialisation
कूड़ेदान (m) poubelle
बेदर्दी (f) sans pitié
शर्म (f), हया (f) honte
इज्ज़त (f), सम्मान (m) honneur
पर्दा (m) purdah
सर्वग्राही omnivore
न्यौछावर करना se sacrifier, consacrer
नग्नता (f) nudité
निश्चिंतता (f) insouciance
कल्पना (m) करना imaginer